5. निम्नलिखित छन्दों के लक्षण व उदाहरण लिखिए–

   (i) वसन्ततिलका

   (ii) पुष्पिताग्रा

6. भास के नाटकों की विशेषताएँ बताते हुए संस्कृत साहित्य में भास का स्थान-निर्धारण कीजिए।

7. संस्कृत नीतिकथा-साहित्य पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

8. वीणाकर्ण संन्यासी व मूषक की कथा का सार हिन्दी में लिखिए तथा उससे मिलने वाली शिक्षा भी बताइये।

9. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** अलंकारों के लक्षण व उदाहरण बताइए–

   (i) श्लेष

   (ii) रूपक

   (iii) भ्रान्तिमान

   (iv) समासोक्ति

SA–01

June – Examination 2022

B.A. (Part I) Examination

SANSKRIT

(Natak, Katha-Sahitya, Chhand Evam Alankar)

नाटक, कथा-साहित्य, छन्द एवं अलंकार

Paper : SA-01

Time : 1½ Hours] [*Maximum Marks : **70***

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ' और 'ब' दो खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड–अ **4×3½=14**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार, एक वाक्य, एक शब्द या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 3½ अंक का है।

1. (i) यौगन्धरायण ने तपोवन में पद्मावती से क्या याचना की ?

(ii) वासवदत्ता के पिता का नाम बताइये। वह कहाँ के राजा थे ?

(iii) वासवदत्ता स्वयं व पद्मावती दोनों की भलाई के लिए पद्मावती की विवाहमाला में किस औषधि का गूंथा जाना आवश्यक समझती है ?

(iv) वासवदत्ता की माता तथा धाय माँ के नाम बताइये।

(v) 'हितोपदेश' की रचना किस उद्देश्य की पूर्ति हेतु हुई थी ?

(vi) व्याघ्र-पथिक कथा के अनुसार पथिक की मृत्यु का कारण क्या बना ?

(vii) 'हितोपदेश' के अनुसार सञ्चयशील जम्बुक कथा क्या शिक्षा देती है ?

(viii) कपोत-मूषक कथा में कपोतराज का नाम क्या था ?

खण्ड—ब **4×14=56**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 14 अंक का है।

2. निम्नलिखित में से किसी **एक** श्लोक की हिन्दी में सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(i) विश्रब्धं हरिणाश्चरन्त्यचकिता देशागतप्रत्यया
वृक्षाः पुष्पफलैः समृद्धविटपाः सर्वे दया रक्षिताः।
भूयिष्ठं कपिलानि गोकुलधनान्यक्षेत्रवत्यो दिशो
निःसन्धिग्धमिदं तपोवनमयं धूमो हि बह्वाश्रयः॥

(ii) दुःखं त्यक्तुं बद्धमूलोऽनुरागः
स्मृत्वा समृत्वा याति दुःखं नवत्वम्।
यात्रात्वेषा यद् विमुच्येह वाष्पं
प्राप्तानृण्या याति बुद्धिः प्रसादम्॥

3. वासवदत्ता का चरित्र-चित्रण कीजिए।।

4. **दो** सूक्तियों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(i) तथा परिश्रमः परिखेदं नोत्पादयति यथेयं परिभवः।

(ii) अनतिक्रमणीयो हि विधिः।

(iii) सत्कारो हि नाम सत्कारेण प्रतीष्टः प्रीतिमुत्पादयति।

(iv) कः कं शक्तो रक्षितुं मृत्युकाले ?